

**सौलंकी** पुं. (तद्.) सोलंकी राजवंश।

**सौल** पुं. (तद्.) 1. एक प्रकार की बड़ी मछली जिसका सिर साँप के सिर की तरह होता है 2. साहुल।

**सौलक्षण्य** पुं. (तत्.) शुभ या अच्छे लक्षणों का होना, सुलक्षणता, सुलक्षणों से युक्त होने की अवस्था, गुण या भाव।

**सौलभ्य** पुं. (तत्.) सुलभता।

**सौली** स्त्री. (देश.) सौल मछली।

**सौल्विक** पुं. (तत्.) धातु के बरतन आदि बनाने वाला अर्थात् ठेरा।

**सौव** पुं. (तत्.) 1. अनुशासन 2. आदेश वि. 1. 'स्व' से संबंध रखने वाला 2. अपना 3. स्वर्गीय।

**सौवर** वि. (तत्.) स्वर संबंधी।

**सौवर्चल** वि. (तत्.) सुवर्चल प्रदेश-संबंधी पुं. 1. सौचर नामक नमक 2. सज्जी।

**सौवर्चला** स्त्री. (तत्.) रुद्र की पत्नी का नाम।

**सौवर्चस** वि. (तत्.) सुवर्चस, दीप्तिमान।

**सौवर्ण** वि. (तत्.) 1. स्वर्ण संबंधी, सोने का 2. सोने का बना हुआ 3. जो तोल में एक सौवर्ण या कर्ष भर हो पुं. 1. स्वर्ण, सोना 2. सोना तोलने की एक पुरानी तोल जो एक कर्ष या 16 माशे के बराबर होती है 3. सोने की बाली।

**सौवर्णिक** वि. (तत्.) सुवर्ण-संबंधी पुं. सुनार।

**सौवर्णिका** स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का विषैला कीड़ा।

**सौवर्ण्य** पुं. (तत्.) 1. सुवर्ण होने की अवस्था, गुण या भाव 2. वर्णों का शुद्ध और सुंदर उच्चारण।

**सौवस्तिक** वि. (तत्.) स्वस्ति कहने अर्थात् मंगल-कामना करने वाला पुं. कुल-पुरोहित।

**सौवाध्यायिक** वि. (तत्.) स्वाध्याय-संबंधी पुं. स्वाध्यायी।

**सौवासिनी** स्त्री. (तत्.) सुवासिनी, भद्र स्त्री।

**सौवास्तव** वि. (तत्.) 1. सुवास्तु अर्थात् भवन निर्माण की कुशलता से युक्त, अच्छी कारीगरी का मकान 2. अच्छे स्थान पर बना हुआ मकान।

**सौविद** पुं. (तत्.) 1. सुविद 2. अंतःपुर या रनिवास का रक्षक 3. कंचुकी।

**सौविदल्ल** पुं. (तत्.) सौविद।

**सौवीर** पुं. (तत्.) 1. सिंध नद के आसपास के एक प्राचीन प्रदेश का नाम 2. उक्त प्रदेश का निवासी या राजा 3. संगीत में कर्णाटकी पद्धति का एक राग 4. जौ की काँजी और फल 5. बेर का पेड़ 6. जयद्रथ।

**सौवीरक** पुं. (तत्.) 1. जयद्रथ का एक नाम 2. सौवीर।

**सौवीरांजन** पुं. (तत्.) सौवीर प्रदेश में होने वाला प्रसिद्ध सुरमा।

**सौवीर्य** पुं. (तत्.) 1. सुवीर होने की अवस्था, गुण या भाव, पराक्रम, बहादुरी 2. सौवीर का राजा वि. बहुत बड़ा वीर।

**सौव्रत्य** पुं. (तत्.) 1. सुव्रत का भाव 2. निष्ठा, भक्ति। 3. आज्ञा-पालन।

**सौशम्य** पुं. (तत्.) सुशमता, सुशांति।

**सौशल्य** पुं. (तत्.) एक प्राचीन जनपद।

**सौशील्य** पुं. (तत्.) सुशीलता।

**सौश्रय** पुं. (तत्.) ऐश्वर्य, वैभव।

**सौश्रवस** पुं. (तत्.) 1. सुश्रवा के अपत्य, उपगु 2. कीर्ति, सुयश वि. कीर्तिलता, यशस्वी।

**सौश्रुत** वि. (तत्.) 1. सुश्रुत-संबंधी, सुश्रुत का 2. सुश्रुत का बनाया या रचा हुआ 2. सुश्रुत के गोत्र में उत्पन्न।

**सौषम्य** पुं. (तत्.) 1. संतुलन, समतोल 2. समता, समानता।

**सौषम्य वैषम्य** पुं. (तत्.) समता और विषमता।